कृपया प्रकाशनार्थ **10 अप्रैल 2011**

रेलवे महाप्रबंधक ने माना कि
चर्चगेट - डहाणू रोड ट्रेन का शुरु होना अब भी तय नही

मुंबई, रविवार :विरार - डहाणू रोड रेल लाईन चौडा करने का काम भलेही मुंबई रेल विकास प्राधिकरण ने पुरा किया हो, चर्चगेट - डहाणू रोड लोकल गाडी तो तभी शुरु होगी जब नये ईमएयु डिब्बे आएंगे. पश्चिम रेल प्रशासन यह सेवा शुरु करने को प्राथमिकता भी देगा, फिर भी असलियत में किस तारीख से चर्चगेट - डहाणू रेल शुरु होगी यह आज कहना मुमकीन नही इस बात की कबुली पश्चिम रेल महाव्यवस्थापक श्री. कुलभूषण ने पूर्व रेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री. राम नाईक को दी है. मात्र रु. 226 करोड के विरार कारशेड का काम जून 2011 तक पूरा होगा ऐसा स्पष्ट आश्वासन श्री. नाईक को जरुर दिया.

श्री. राम नाईक के साथ ठाणे जिला के पश्चिमी क्षेत्र में रहनेवालों के प्रतिनिधी मंडल ने पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक को भेंट कर यात्रियों की समस्याओं के बारे में शुक्रवार को विस्तार से चर्चा की. विधायकद्वय श्री. चिंतामण वनगा व श्री. विष्णू सावरा के साथ नगरसेवक श्री. राजन नाईक (नालासोपारा), सर्वश्री केदारनाथ म्हात्रे (नायगाव), शेखर धुरी (वसई रोड), हंसराज पाटील (भाईंदर), मिठालाल जैन (पालघर) और डहाणू के भाऊराव देशमुख व मनमोहन सचदेव इस प्रतिनिधी मंडल में शामिल थे. महाप्रबंधक के साथ पश्चिम व मध्य रेलवे के कई आला अधिकारी भी इस चर्चा के समय उपस्थित थे.

इस चर्चा की विस्तार से जानकारी देते हुए श्री. नाईक ने कहा,"वाजपेयी सरकार ने रु. 3,125 करोड के एमयुटीपी - एक के मान्यता दी थी. यह प्रकल्प 2007 तक पुरा करने का तय हुआ था. किंतु बाद में डा. मनमोहन सिंह के दोनो रेल मंत्रीयों ने पहले श्री. लालू प्रसाद यादव ने व अब सुश्री ममता बॅनर्जी ने मुंबई की घोर उपेक्षा की. उनके सौतेले व्यवहार से इस प्रकल्प के कई महत्त्वपूर्ण काम अब भी पुरे नहीं हुए है. इतना ही नहीं तो उसका कुल खर्चा अब रु. 4,501 करोड आएगा. इस प्रकल्प के तहत ही विरार कारशेड व यार्ड का काम हो रहा है. इस काम के लिए रु. 73 करोड का प्रावधान किया गया था मगर अब उसी के लिए रु. 226 करोड लगनेवाले है और जून 2011 तक वह काम पूरा होगा. इसी के तहत विरार - डहाणू रोड रेल लाईन चौडा करने के लिए पहले सिर्फ रु. 29 करोड की लागत लगनेवाली थी मगर दिरंगाई के चलते अब इसे रु. 50 करोड लगें. प्रकल्प पुरा होने में समय भी बहुत लग रहा हैं और खर्चा भी बढ रहा है जिसके चलते उपनगरी यात्रीयों का गुस्सा भी बढ रहा है. वह किसी भी समय आंदोलन छेड सकते है ऐसी चेतावनी भी प्रतिनिधी मंडल ने रेल प्रशासन को दी."

जोगेश्वरी - गोरेगाव के बीच प्रस्तावित नए ओशीवरा रेल स्थानक की भी इस समय चर्चा हुई. 6 करोड रुपयों से यह स्थानक मार्च 2008 तक बननेवाला था. उसका खर्चा बढ कर 32 करोड तक पहुँचा है और फिर भी वह कब पुरा होगा यह कहने की स्थिती में रेल प्रशासन नहीं है. इस परिस्थिती पर प्रतिनिधी मंडल ने अपनी नाराजगी दिखाने के बाद फिर से जानकारी लेकर चर्चा करने का आश्वासन रेल महाप्रबंधक श्री. कुलभूषण ने दिया.

2011-2012 के रेल बजट में पश्चिम व मध्य रेल के उपनगरी क्षेत्र के लिए जो प्रस्ताव को संसद ने मंजुरी दी है उन पर कितना खर्चा होगी इसकी जानकारी भी प्रशासन दे न सका. यह जानकारी सात दिन के अंदर देने का आश्वासन रेल महाप्रबंधक ने श्री. राम नाईक के साथ आए प्रतिनिधि मंडल को दिया.

(कार्यालय मंत्री)